सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

वर्ष 2 अंक 258 पृष्ठ 8 हल्द्वानी
गुरुवार 24 फरवरी 2011 मूल्य 1.00
uttaranchaldeep@gmail.com

प्रदूषण को लेकर स्केल समिति ने छेड़ी मुहिम

केरोसिन छोड़ो सोलर से जोड़ो नाता

हल्द्वानी। 'केरोसिन लालटेन से नाता तोड़ो, क्यों भुगत रहे हो प्रदूषण को, सोलर लालटेन से रिश्ते जोड़ो' इस मुहिम के साथ स्केल समिति ने कार्य करना शुरु कर दिया है।

सोलर लालटेन की जानकारी देते डा. गोन चौधरी व अरुण सिन्हा। -उत्तरांचल दीप

उत्तराखंड में केरोसिन लालटेन के विरुद्ध छेड़ी गयी मुहिम की शुरुआत हल्द्वानी से की गयी जिसमें तमाम क्षेत्रों से आये युवकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसकी कमान ग्रीन आस्कर के विजेता रह चुके पश्चिमी बंगाल के डा. गोन चौधरी ने संभाली। इस विषय पर की गयी प्रेस वार्ता के दौरान डा. चौधरी ने बताया कि स्केल समिति के माध्यम से इस मुहिम को छेड़ा गया है। उन्होंने बताया कि पूरे इंडिया में यह पहल जारी है जबकि उत्तराखंड में इसकी शुरुआत हल्द्वानी से की गयी है। उन्होंने बताया कि पहले युवाओं को इस मुहिम से जोड़ कर लालटेन बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो कि 14 से 15 दिन तक जारी रहता है जिसमें प्रत्येक प्रशिक्षु को थ्योरिकल व प्रेक्टिकल तरह से ट्रेंड किया जा रहा है। जिसके बाद युवा इसे रोजगार के रूप में भी जुड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि अभी ऐसे तमाम क्षेत्र है जहां बिजली नहीं पहुंच सकी है जहां लोग आज भी केरोसिन लालटेन का प्रयोग कर प्रकाश का बंदोबस्त कर रहे हैं। ऐसे उन्हें खर्चे के अनुरूप तो लाभ नहीं मिलता जबकि स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने का खतरा बड़ जाता है। जबकि सोलर लालटेन से ऐसी परेशानियां नहीं है जबकि पांच घंटे चार्ज करने के बाद यह लालटेन दो दिन तक प्रकाश बिखेर सकेगी, जिसको देखते हुए जागरुकता अभियान भी चलाए जाएंगे।

रोजगार की मुहिम जारी

हल्द्वानी। प्रेस वार्ता में स्केल समिति के महासचिव अरुण सिन्हा ने बताया कि समिति द्वारा 2002 से युवाओं को रोजगार से जाड़ने की मुहिम जारी है। समिति ने कम्प्यूटर व सिलाई प्रशिक्षण से करीब दो हजार से अधिक युवक युवतियों को जोड़ा था। जिसमें अधिकांश लोगों ने ट्रेनिंग कर रोजगार पाया है। वहीं स्वास्थ्य शिविर से दस हजार से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया है। जबकि कई स्कूलों के गरीब, नेत्रहीन व अनाथ बच्चों को गोद लेकर उन्हें सुविधा प्रदान की है और इस बार सोलर लालटेन को लेकर अभियान छेड़ा जा रहा है इससे जहां प्रदूषण में घटौत्री हो सकेगी वहीं कई युवाओं के सामने से रोजगार संकट समाप्त हो सकेगा। वार्ता में रश्मि सिन्हा, प्रदीप सिंह भी उपस्थित थे।